MASA-04

December - Examination 2025
M.A. (Previous) Examination
SANSKRIT
भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण
Paper : MASA-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) अभिधा शब्द–शक्ति का लक्षण लिखिए।

   (ii) साहित्यदर्पणकार के अनुसार काव्य का फल बताइए।

   (iii) महावाक्य का लक्षण लिखिए।

   (iv) नाट्यशास्त्र में कितने प्रकार के नाट्यमण्डप बताए गए हैं? नाम लिखिए।

   (v) रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन थे?

   (vi) काव्यालंकार के अनुसार काव्य के भेद बताइए।

   (vii) 'सन्' प्रत्ययान्त के दो उदाहरण अर्थ सहित लिखिए।

   (viii) महाभाष्य के रचयिता कौन थे?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक कारिका की ससन्दर्भ व्याख्या हिन्दी में लिखिए –

   (अ) तात्पर्याख्यां वृत्तिमाहुः पदाथन्वियबोधने।

   तात्पर्यार्थं तदर्थं च वाक्यं तद्बोधकं परे।।

   अथवा

   (ब) हेतुत्वं शोकहर्षादे र्गतेभ्यो लोकसंश्रयात्।

   शोकहर्षादयो लोके जायन्तां नाम लौकिकाः।।

3. निम्नलिखित में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

(अ) धर्म्यमर्थं यशस्यञ्च सोपदेश्यं ससंग्रहम्।

भविष्यतश्च लोकस्य सर्वकर्मानुदर्शकम्।।

अथवा

(ब) आचार्येण सुयुक्तेन त्रिरात्रोपोपितेन च।

स्तम्भाना स्थापनकार्यं प्राप्ते सूर्योदये शुभे।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –

(अ) (i) अकथितं च।

(ii) आधारो ऽधिकरणम्।।

अथवा

(ब) (i) हेतुमति च।

(ii) मितां ह्रस्वः।।

5. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार लक्षणा शब्दशक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. नाट्यशास्त्रानुसार नाट्य के स्वरूप एवं नाट्योद्भव की सोद्धरण विवेचना कीजिए।

7. भामहकृत काव्यालंकार के अनुसार काव्यलक्षण एवं हेतु का सतर्क विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिए।

8. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रमुख सिद्धान्तों की सोद्धरण विवेचना कीजिए।

9. महाभाष्य के पस्पशाहिनक की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

खण्ड–'स' 2×16=32

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. साहित्यदर्पण कारानुसार व्यञ्जना शब्दशक्ति की भेदसहित विवेचना कीजिए।

11. ध्वनि को परिभाषित करते हुए ध्वन्यालोक के मत में ध्वनि विरोधी मतों की सविस्तार विवेचना कीजिए।

12. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का वर्णन करते हुए साहित्यिक जगत् में महत्त्व बताइए।

13. 'वाक्यपदीयम्' के ब्रह्मकाण्ड की विषयवस्तु एवं महत्त्व का सोद्धरण सांगोपांग वर्णन कीजिए।